स्वायत्त संस्थान

1: वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद

2: परामर्श विकास केन्द्र (सीडीसी)

2. परामर्शी विकास केन्द्र (सीडीसी)

1. प्रस्तावना

परामर्शी विकास केन्द्र (सीडीसी) की स्थापना जनवरी, 1986 में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) द्वारा समर्थित एक पंजीकृत संस्था के रूप में की गई थी, जो देश में परामर्श क्षमताओं को बढ़ावा देने, विकसित करने और मजबूत करने के लिए प्रशासनिक मंत्रालय के रूप में कार्यरत है। सीडीसी को 2004 में भारत सरकार द्वारा डीएसआईआर की एक स्वायत्त संस्था के रूप में अनुमोदित किया गया था। केन्द्र का संचालन एक गवर्निंग काउंसिल द्वारा किया जाता है, जिसमें सरकारी विभागों, अनुसंधान संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और परामर्शी कंपनियों से अंतर–सदस्यीय सदस्य होते हैं। सीडीसी को देश में सक्षमता बढ़ाने और क्षमता निर्माण के उद्देश्य से योजनाओं, परियोजनाओं और गतिविधियों को पूरा करने के लिए डीएसआईआर से वार्षिक योजना का समर्थन मिलता रहा है। वर्ष के दौरान, सीडीसी ने क्षमता निर्माण को कवर करने वाली कंसल्टेंसी के प्रचार और विकास के अपने जनादेश को ध्यान में रखते हुए, परामर्श प्रभाव क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन के गठन और अपनी परियोजनाओं के लिए सही सलाहकारों के चयन में ग्राहक संगठनों की सुविधा आदि विभिन्न गतिविधियों को अंजाम दिया। वर्ष के दौरान की गई कुछ प्रमुख गतिविधियां (चालू परियोजनाओं सहित) शामिल हैं:

- उत्तर प्रदेश में हस्तशिल्प समूहों '(नगीना में लकड़ी के शिल्प और वाराणसी में जरदोजी के शिल्प) के बेहतर विपणन के लिए आवश्यकता पर आधारित हस्तक्षेप का अध्ययन'।
- 'धातु हस्तशिल्प सेवा केन्द्र (MHSC), मुरादाबाद के लिए रणनीतिक रोड़मैप की तैयारी' पर अध्ययन।
- सीएसआईआर–आईएचबीटी इंस्टीच्यूट ऑफ हिमालयन बायोरसोर्स टेक्नोलॉजी, पालमपुर में आईएसओ 9001:2015 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) के कार्यान्वयन के लिए प्रशिक्षण और सेवाएं।
- रणनीति परामर्श में प्रमाणपत्र कार्यक्रम के लिए विकास सामग्री।
- डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन के लिए सिस्टम इंटीग्रेटड का चयन ओएफएएमओएस परियोजना और पंजाब सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के लिए सीसीटीवी समाधान।
- सिक्किम 'डीसी–एमएसएमई कार्यालय नई दिल्ली सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करने हेतु एमएसएमई सेक्टर के लिए डीसी–एमएसएमई योजनाओं पर अध्ययन'।
- मैसर्स नेशनल रिसर्च डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनआरडीसी), नई दिल्ली को आईएसओ 9001 प्रमाणन के लिए परामर्श सेवाएं।
- डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन और समर्थन के लिए सिस्टम इंटीग्रेटेड (एसआई) का चयन ओएफएसएएमएस डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया और इसके विभिन्न डेंटल कॉलेजों में प्रोजेक्ट करता है।

2. प्रदर्शन की मुख्य विशेषताएं

- वर्ष के दौरान, सीडीसी ने क्षमता निर्माण को कवर करने वाली कंसल्टेंसी के प्रचार और विकास के अपने जनादेश को ध्यान में रखते हुए, परामर्श प्रभाव क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन के गठन और अपनी परियोजनाओं के लिए सही सलाहकारों के चयन में ग्राहक संगठनों की सुविधा आदि विभिन्न गतिविधियों को अंजाम दिया। 'धातु हस्तशिल्प सेवा केन्द्र (एमएचएससी) मुरादाबाद के लिए रणनीतिक रोड़मैप की तैयारी' पर अध्ययन।
- सीएसआईआर–आईएचबीटी इंस्टीच्यूट ऑफ हिमालयन बायोरसोर्स टेक्नोलॉजी, पालमपुर में आईएसओ 9001:2015 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) के कार्यान्वयन के लिए प्रशिक्षण और परामर्श सेवाएं।
- मैसर्स नेशनल रिसर्च डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनआरडीसी) को आईएसओ 9001 प्रमाणन के लिए कंसल्टेंसी सेवाएं–नई दिल्ली।